आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 24 लखनऊ, मंगलवार 28 सितम्बर से 06 अक्तूबर, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत-डिजिटल मिशन की शुरुआत की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आयुष्मान भारत–डिजिटल मिशन की शुरुआत की और कहा कि इसमें स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की ताकत है। इस डिजिटल मिशन के तहत लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य पहचान पत्र प्रदान किया जाएगा जिसमें उनका स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड दर्ज होगा। प्रधानमंत्री ने पिछले साल १५ अगस्त को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य अभियान की पायलट परियोजना की घोषणा की थी। वर्तमान में इस योजना को छह केंद्र शासित प्रदेशों में प्रारंभिक चरण में लागू किया जा रहा है। आयुष्मान भारत–डिजिटल मिशन की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने गरीब के जीवन की बहुत बड़ी चिंता दूर की है। अभी तक दो करोड़ से अधिक देशवासियों ने इस योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ उठाया है। इसमें भी आधी लाभार्थी, हमारी माताएं, बहनें, बेटियां हैं।'' उन्होंने कहा, ''आयुष्मान भारत–डिजिटल मिशन के तहत देशवासियों को अब एक डिजिटल हेल्थ आईडी मिलेगी। हर नागरिक का स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेगा।'' मोदी ने कहा, ''आयुष्मान भारत– डिजिटल मिशन, अस्पतालों में प्रक्रियाओं को सरल बनाने के साथ ही रहन–सहन की सुगमता को भी बढ़ाएगा।'' उन्होंने कहा, ''वर्तमान में अस्पतालों में प्रौद्योगिकी का जो इस्तेमाल होता है, वो फिलहाल सिर्फ एक ही अस्पताल तक या एक ही समूह तक सीमित रहता है। नए अस्पताल या नए शहर में जब मरीज जाता है, तो उसको फिर से उसी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है.... सभी नागरिकों को इस तरह की परेशानी से मुक्ति दिलाने में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन बड़ी भूमिका निभाएगा।'' उनके मुताबिक, ''इस मिशन का सबसे बड़ा लाभ देश के गरीबों और मध्यम वर्ग को होगा। एक सुविधा तो ये होगी कि मरीज को देश में कहीं पर भी ऐसा डॉक्टर ढूंढने में आसानी होगी, जो उसकी भी जानता और समझता है और उसकी बीमारी के उत्तम से उत्तम उपचार का वो अनुभवी है। इससे मरीजों को देश के किसी कोने में भी उपस्थित विशेषज्ञ चिकित्सक से

संपर्क करने की सलूहियत बढ़ेगी। बेहतर जांच के लिए लैब और दवा दुकानों की भी पहचान आसानी से संभव हो पाएगी।'' प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, ''अब भारत में एक ऐसे स्वास्थ्य मडल पर काम जारी है जो समग्र हो और समावेशी भी हो। एक ऐसा मॉडल, जिसमें बीमारियों से बचाव पर जोर हो, – यानी रोकथाम संबंधी स्वास्थ्य सेवा हो, बीमारी की स्थिति में इलाज सुलभ हो, सस्ता हो और उस तक सबकी पहुंच हो।'' उन्होंने कहा, ''भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए चिकित्सा शिक्षा में भी अभूतपूर्व सुधार हो रहे हैं। ७–८ साल पहले की तुलना में आज अधिक चिकित्सक और पैरामेडिकल कर्मी देश में तैयार हो रहे हैं।'' प्रधानमंत्री के अनुसार, ''बीते सात वर्षों में, देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने का जो अभियान चल रहा है, वह आज से एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। आज एक ऐसे मिशन की शुरुआत हो रही है, जिसमें भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की ताकत है।'' उन्होंने कहा, ''१३० करोड़ आधार नंबर, ११८ करोड़ मोबाइल उपभोक्ता, लगभग ८० करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता, करीब ४३ करोड़ जनधन बैंक खाते, इतनी बड़ी एकींत आधारभूत अवसंरचना दुनिया में कहीं नहीं है।'' मोदी ने कहा कि यह डिजिटल आधारभूत अवसंरचना राशन से लेकर प्रशासन तक को तेज, पारदर्शी तरीके से सामान्य भारतीय तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा, ''आरोग्य सेतु ऐप से कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने में बहुत मदद मिली। सबको टीका, मुफ्त टीका अभियान के तहत भारत आज टीके की करीब–करीब ६० करोड़ खुराक लगा पाया है तो इसमें को–विन ऐप की बहुत बड़ी भूमिका है।'' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा, ''स्वास्थ्य का पर्यटन के साथ एक बड़ा मजबूत रिश्ता है क्योंकि जब हमारा स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा एकींत होता है, मजबूत होता है, तो उसका प्रभाव पर्यटन क्षेत्र पर भी पड़ता है।'' केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने स्वतंत्रता दिवस, २०२० पर लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम प्रधानमंत्री के संबोधन को याद करते हुए कहा, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का यह कदम स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बदल देगा और सभी नागरिकों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा।

किसानों की आय दोगुनी बनवा रही योगी सरकार

लखनऊ। यूपी के गन्ना मंत्री सुरेश राणा ने दांवा किया कि योगी सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी शुरुआत राज्य में गन्ने की कीमत में २५ रू की अभूतपूर्व वृद्धि कर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुरेश राणा ने कहा कि कोरोना काल में तमाम राज्यों में चीनी मिलें बंद हो गयी थी। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के सफल नेतृत्व का नतीजा है कि यूपी में एक भी चीनी मिल बंद नहीं हुईं। यही नहीं इस दौरान पिपराइच रमाला और मुंडेरवा में नई चीनी मिलें भी स्थापित हुई। गन्ना मूल्य में २५ रू की अभूतपूर्व वृद्धि से चार हजार करोड़ रू का किसानों को फायदा होगा। सपा और योगी सरकार के कार्यकाल की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि सबसे अच्छी किस्म के गन्ने की अगैती प्रजाति का उत्पादन सपा के समय मात्र ५२. ८३ फीसदी था। लेकिन योगी राज में २०१६–१७ में वह आज बढ़कर ६७.६ प्रतिशत हो गया। गन्ना बुवाई क्षेत्रफल में हुई यह बढ़ोतरी योगी सरकार के कुशल नेतृत्व में किसान को समृद्ध करने की इच्छा शक्ति को दर्शाती है। सामान्य प्रजाति के गन्ने की उपज सपा के समय २ फीसदी थी जो अब मात्र .०७: रह गई

है। यही नहीं २०१६–१७ के दौरान गन्ने की पेराई ५ वर्षों में औसतन २६१८ लाख टन थी। योगी सरकार आते ही यह ८ लाख टन हेक्टेयर हो गई है। वह भी मात्र साढ़े ४ वर्ष में हुआ है। सुरेश राणा की प्रेस कांफ्रेंस में अपर आयुक्त चीनी संजय भूस रेड्डी, विशेष सचिव चीनी डा रूपेश कुमार और सूचना निदेशक शिशिर भी मौजूद थे। खांडसारी उद्योग का जिक्र करते हुए गन्ना मंत्री ने कहा कि खांडसारी में पिछले २५ साल में उत्तर प्रदेश में एक भी लाइसेंस नहीं जारी हुआ था। इस क्षेत्र में जो बाधाएं थी उसे योगी सरकार ने दूर करके खांडसारी उद्योग का दायरा चीनी मिलों के क्षेत्र के १५ किलोमीटर से घटाकर के साढ़े सात किलोमीटर कर दिया गया। नये बने कानून के तहत नए खांडसारी लाइसेंस दिए गए जिससे उत्तर प्रदेश में २७० नयी खांडसारी इकाईयां लगी हैं। इससे करीब पचास हजार लोगों को नया रोजगार मिला। सुरेश राणा ने कहा कि सीएम योगी की कार्य पद्धति का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश चीनी के उत्पादन में आज देश में नंबर एक पर है। एथेनल के उत्पादन पर नंबर एक है। भुगतान के मामले में भी देश में नंबर एक ही नहीं कई राज्यों से १० गुना अधिक है। उन्होंने बताया आज राज्य में ५५ चीनी मिले हैवी मोलैसिस के उत्पादन में लगी हुई हैं।

UP में कोरोना के कुल १७६ एक्टिव मामले, अबतक कुल १६ लाख से ज्यादा लोग हुए ठीक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल १,६६,५०० सैम्पल की जांच की गयी है। जिसमें कोरोना संक्रमण के ०७ नये मामले आये हैं। ७८,६६७ सैम्पल जनपदों से आरटीपीसीआर की जांच के लिए भेजे गये है। प्रदेश में अब तक कुल ७,७६,६८,३६० सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले २४ घंटे में ०६ तथा अब तक कुल १६,८६,७१२ लोग कोविड–१९ से ठीक हो चुके हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल १७६ एक्टिव मामले हैं तथा १५४ लोग होम आइसोलेशन में है। प्रसाद ने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। आज ०३ बजे तक लगभग २० लाख से अधिक कोविड की वैक्सीन लोगों को दी जा चुकी है। प्रदेश में कल तक पहली डोज ८,१६,०८,२८८ तथा दूसरी डोज १,८७,०१,२६० लगायी गयी हैं तथा अब तक कुल १०,०३,०६,५७८ डोज दी जा चुकी है। प्रसाद ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा मच्छर जनित रोग तथा जल जनित रोग से बचाने के लिए आवश्यक चिकित्सीय प्रबन्ध किये गये हैं। उन्होंने बताया कि सभी लोग मच्छर जनित एवं जलजनित रोग

से बचने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बतायी जा रही सावधानियों को अपनाएं। उन्होंने बताया कि अन्य प्रदेशों में कोविड का संक्रमण बढ़ रहा है। त्यौहार के समय लोगों का आवागमन ज्यादा होगा इसलिए ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता है। कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सभी लोग कोविड अनुरूप आचरण करे। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकल का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोविड हेल्पलाइन १८००१८०५१४५ पर सम्पर्क करे।

सम्पादकीय

गुट के नाम में ही सिक्युरिटी शब्द शामिल

क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डायलॉग (DoSM) की आमने–सामने पहली शिखर बैठक के समय भी वह परदादारी जारी रही, जिसका कोई तर्क समझ में नहीं आता। यह सबको मालूम है कि चार देशों का ये गुट चीन को घेरने के मकसद से बना है। इसमें शामिल चारों देश वो हैं, जिनके चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हैं। गुट के नाम में ही सिक्युरिटी शब्द शामिल है। जाहिर है, यह एक तरह की रक्षा वार्ता है। इसीलिए यह रहस्यमय है कि मार्च में जब इस समूह की पहली वर्चुअल शिखर बैठक हुई और अब जबकि इसकी पहली आमने–सामने शिखर बैठक हुई है, तब भी इस समूह के नेताओं ने अपना यही मकसद खुल कर क्यों नहीं बताया? ऐसा तो नहीं है कि अगर उन्होंने सार्वजनिक रूप से दिए बयान में कोरोना महामारी और जलवायु परिवर्तन से संघर्ष को अपना सर्वोच्च मुद्दा बताया, तो चीन ने उसे उसी रूप में स्वीकार कर लिया है। चीन की प्रतिक्रिया वैसी ही है, जैसा उसे लक्ष्य करके स्थापित किए गए सिक्युरिटी डायलॉग पर होनी थी। कहने का मतलब यह कि क्वैड के ठोस रूप लेने से जो तनाव बढ़ना है, वह बढ़ ही रहा है। ऐसे में उसके मकसद पर परदादारी करना अजीब सा लगता है। प्रश्न यह है कि अगर इस गुट का मकसद इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में रक्षा गोलबंदी मजबूत करने से कुछ इतर है, तो फिर आखिर इन चार देशों को जोड़ने वाला पक्ष क्या है? बहरहाल, परदादारी की वजह यह मालूम पड़ती है कि अमेरिका, जैसाकि एक अंग्रेजी कहावत है, केक खाना चाहता है, और उसको बचा कर रखना भी चाहता है। क्या यह हैरतअंगेज नहीं है कि क्वैड शिखर बैठक के दिन ही उसने चीन के साथ हुवावे कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी मेंग वानझाऊ को रिहाई के लिए चीन से समझौता कर लिया? अमेरिका और चीन के बीच रिश्तों में बढ़े तनाव की एक प्रमुख वजह अमेरिका की प्रत्यर्पण अर्जी पर मेंग को तीन साल से कनाडा में नजरबंद रखना थी। इसी तरह क्वैड शिखर बैठक से ठीक पहले उसने ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ एक त्रिगुट बनाने का करार कर लिया, जिसका लक्ष्य भी चीन ही है। जाहिर है, चीन के प्रति अमेरिका की नीति में स्थिरता और साफ समझ का अभाव है। ऐसे में जो देश उससे क्वैड जैसे समूह में जुड़ रहे हैं, वे अपने लिए एक जोखिम ही मोल ले रहे हैं।

वरुण गांधी ने दिखाए बागी तैंवर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी किसान सम्मेलन कर किसानों को लुभाने में लगी है। इसी के चलते योगी सरकार ने राज्य में गन्ना मूल्य २५ रुपये क्विंटल बढ़ाकर इसे एक बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया है। लेकिन भाजपा सांसद वरुण गांधी ने सीएम योगी से गन्ना मूल्य ४०० रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग कर भाजपा के किए कराए पर पानी फेरा है। केन्द्र सरकार के नये कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे देशव्यापी आंदोलन के बीच वरुण गांधी के इस पत्र ने गन्ना मूल्य को भी एक नया मुद्दा बना दिया है। नेहरू–गांधी परिवार के चश्मोचिराग वरुण गांधी किसान और गन्ना बहुल जनपद पीलीभीत से सांसद हैं। पश्चिम के अन्य जिलों की तरह ही तराई का जिला पीलीभीत भी केन्द्र सरकार के बनायेंषि कानूनों से उद्वेलित है। वरुण गांधी और उनकी मां मेनका गांधी लंबे समय से लोकसभा में पीलीभीत की नुमाइंदगी करते रहे हैं। ऐसे में अपनी सीट को बचाये रहने के लिए वरुण गांधी का किसानों के साथ खड़े रहना एक मजबूरी है। चाहे इसके लिए उन्हें पार्टी लाइन

से हटना ही क्यों न पड़े। भाजपा सांसद ने सीएम योगी को लिखे अपने पत्र में यूपी सरकार का आभार जताया है कि आने वाले सत्र में गन्ने का रेट ३५० रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा है कि इस पर फिर से विचार कर सरकार को ५० रुपये अपनी ओर से जोड़कर देना चाहिए। इस प्रकार उन्होंने गन्ना मूल्य ४०० रुपये क्विंटल किये जाने की मांग की है। भाजपा सांसद ने अपने पत्र में लिखा है कि पिछले चार साल में गन्ने की लागत काफी बढ़ गई है। लेकिन पिछले चार सत्रों में सिर्फ १० रुपये प्रति क्विंटल का दाम बढ़ा है। उन्होंने पत्र में कहा कि गन्ना किसानों की आर्थिक हालत दयनीय बनी हुई है और गन्ने का उचित रेट नहीं मिल रहा है। इस वजह से किसान कर्ज में डूबे हैं। गन्ने की बढ़ती हुई लागत, महंगाई दर को देखते हुए गन्ने का रेट कम से कम ४०० रुपये प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। बता दें कि अभी हाल ही में जब मुजफ्फरनगर में किसानों द्वारा महापंचायत की गई थी, तब भी भाजपा सांसद ने ट्वीट कर कहा था कि सभी किसानों की बात सुनी जानी जरूरी है। उनका दर्द समझा जाना चाहिए।

देश के चार मेडिकल डिवाइस पार्कों में से एक नोएडा में बनेगा, ५,२५० करोड़ रुपए का होगा निवेश

लखनऊ। देश में बनने वाले चार मेडिकल डिवाइस पार्कों में से एक पार्क उत्तर प्रदेश में होगा। केंद्र सरकार ने यूपी के विकास की असीम संभावनाओं से जुड़े इस प्रोजेक्ट की स्व्वीति दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके लिए ट्वीट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। सीएम ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि निवेश की संभावनाओं को ये कदम निश्चित रूप से और तेजी से आगे बढ़ाएगा। उत्तर प्रदेश देश के दवा उत्पादन और चिकित्सकीय उपयोग में आने वाले उपकरणों का हब बनने जा रहा है । मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने की योजना पर केंद्र की मुहर लगने के साथ ही यूपी ने विकास की एक और बड़ी छलांग लगा दी है। उत्तर प्रदेश का पहला और उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण (यीडा) के एरिया में बनाया जाएगा। यीडा ने इसके लिए गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) के सेक्टर–२८ में ३५० एकड़ जमीन पहले ही तय कर दी है। इस मेडिकल डिवाइस पार्क में इनक्यूबेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। यह सेंटर पांच एकड़ में बनेगा। इस सेंटर से स्टार्टअप कंपनियों को फायदा मिलेगा। इनक्यूबेशन सेंटर के लिए यीडा ने आईआईटी कानपुर से अनुबंध किया है। दो चरणों में बनाए जाने वाले मेडिकल डिवाइस पार्क के जरिए ५,२५० करोड़ रुपए का निवेश होगा और २० हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। गौरतलब है कि भारतीय दवा उद्योग का दुनिया में तीसरा नंबर है। इसके बावजूद तमाम दवाओं के कच्चे माल के लिए भारत चीन पर निर्भर है। कुछ दवाओं के कच्चे माल के संदर्भ में तो यह निर्भरता ८० से १०० फीसद तक है। कोरोना के संक्रमण की शुरूआत हुई तो स्वाभाविक रूप से कच्चे माल का संकट भी हुआ। लिहाजा नीति आयोग, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्र के संबंधित विभागों ने

तय किया कि क्यों ने देश को दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए देश में ही फार्मा और फार्मा उपकरण बनाने वाले पार्क बनाए जाएं। इस सोच के तहत ही केंद्र सरकार ने देश में चार मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का निर्णय लिया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ और नोएडा में ऐसे पार्क बनाने की स्वकृति प्रदान करने केंद्र सरकार को पर लिखा था। इस पार्क की एक खास बात यह भी है कि नोएडा के मेडिकल डिवाइस पार्क में इनक्यूबेशन सेंटर बनेगा। प्राधिकरण ने कानपुर आईआईटी को इसके लिए अनुबंध किया है। ताकि नई तकनीक का आदान–प्रदान हो सके। मेडिकल डिवाइस पार्क में आने वाली स्टार्टअप कंपनियों को भी फायदा मिलेगा। इससे दो फायदे होंगे। पहला इनक्यूबेशन सेंटर और समृद्ध होगा। दूसरा स्टार्टअप कंपनियों को कानपुर आईआईटी से सहयोग मिल सकेगा। प्राधिकरण ने इसकी कार्य योजना तैयार कर ली है। इसके अलावा यीडा मेडिकल डिवाइस पार्क में कमन फैसिलिटी सेंटर भी विकसित करेगा। इसमें यहां आने वाली कंपनियों के लिए तमाम सुविधाएं दी जाएंगी। एक ही छत के नीचे कंपनियों को उनकी जरूरत के मुताबिक सुविधाएं मिलेंगी। कुल मिलाकर सेक्टर २८ में बनाया जाने वाले इस मडिकल डिवाइस पार्क की खूबियों के चलते हेल्थ सेक्टर में कार्यरत संसार की विख्यात कंपनियां यहां निवेश करने के लिए आगे आएंगी। स्टार्टअप व्यवसाय को विकसित करने में मददगार स्टार्टअप व्यवसाय को विकसित करने में मदद करने वाले संस्थानों को इन्क्यूबेशन सेंटर कहा जाता है। इन्क्यूबेशन सेंटर प्रारंभिक चरण में स्टार्टअप्स के लिए संजीवनी के सामान होते हैं। ये संस्थान आम तौर पर स्टार्टअप्स को व्यापारिक एवं तकनीकि सुविधाओं, सलाह, प्रारंभिक विकास निधि, नेटवर्क और सम्बन्ध, सहकारी रिक्त स्थान, प्रयोगशाला की सुविधा, सलाह और सलाहकार समर्थन जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं।

जीते तो रखेंगे समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस वें नाम

आजमगढ़। समाजवादी नेता अखिलेश यादव ने कहा कि अगले साल यूपी में सपा की सरकार बनने पर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का नाम बदलकर समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस वें किया जाएगा। अखिलेश यादव आज पूर्वांचल एक्सप्रेस पर यात्रा कर अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ पहुंचे थे। इस दौरान पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे की गुणवत्ता को लेकर उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि इस एक्सप्रेस वे की गुणवत्ता बेहद खराब है। सपा प्रमुख ने कहा कि २०२२ में जब मेरी सरकार आएगी तो पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का नाम बदलकर समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे किया जाएगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर अभी सर्विस लेन एवं शौचालयों का निर्माण भी नहीं हुआ। जो सड़क मात्र २४ महीने में तैयार हो जानी चाहिए थी वो अभी तक तैयार नहीं हो पाई है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे मात्र २१ महीने में तैयार की थी, और नेता जी के जन्मदिन पर इस सड़क पर सुखोई विमान उतारा गया था। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर अभी तक कहीं लाइट नहीं लगी है। आवश्यकतानुसार अंडरपास भी नहीं बने हैं। किसानों के लिए मंडिया नहीं बनाई जा रही हैं। किसान अपनी फसल कहां बेचेगा ? सपा प्रमुख अखिलेश यादव दोपहर पौने तीन बजे पूर्व कैबिनेट मंत्री बलराम यादव के घर उनकी बहू की श्रद्धांजलि सभा में हिस्सा लेने अतरौलिया पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि योगी सरकार केवल मेरे योजनाओं की शिलान्यास और उद्घाटन कर रही है। यहां लगभग एक घंटे रूकने के बाद वो वापस लखनऊ के लिए रवाना हो गए। सपा प्रमुख ने २०२२ में बीजेपी के सरकार बनाने के दावे पर चुटकी लेते हुए कहा कि प्रतापगढ़ जिले में अब जनता भाजपा सांसद को दौड़ा दौड़ा कर पीट रही है तो यह जन आक्रोश है। सपा प्रमुख ने जिलों और स्थानों के नाम बदलने के सवाल पर कहा कि जो लोग जिलों और स्थानों का नाम बदल रहे हैं २०२२ के चुनाव में जनता उनकी सरकार ही बदलने के लिए तैयार बैठी है। मौजूद कार्यकर्ताओं से भाजपा के झूठ से सावधान रहने की अपील की।

यूपी में 55 फीसदी आबादी को लग गई पहली डोज, कोविड टीकाकरण 10 करोड़ पार

लखनऊ। कोविड नियंत्रण की शानदार रणनीति के लिए सराहे जा रहे उत्तर प्रदेश ने कोविड टीके की १० करोड़ से अधिक डोज लगाकर नया रिकर्ड बनाया है। १० करोड़ का आंकड़ा पार करने वाला यूपी देश का एकमात्र राज्य है। यहां तेज टीकाकरण की नीति के क्रियान्वयन को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि ०३ अगस्त को ०५ करोड़ डोज पूरा करने के बाद अगले ५४ दिनों में ०५ करोड़ और वैक्सीन डोज दी गई। जबकि टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत में पहले एक करोड़ टीके लगाने में करीब १०० दिन लगे थे। शनिवार को १० करोड़ का आंकड़ा पार होने के खास मौके को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य कर्मियों और आमजनता को समर्पित किया। टीकाकरण की देशव्यापी स्थिति को देखें तो यूपी पहले पायदान पर बना हुआ है। दूसरे स्थान पर ०७.७८ करोड़ डोज लगाकर महाराष्ट्र है, जबकि मध्य प्रदेश, गुजरात और पश्चिम बंगाल, क्रमशरू तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश में वैक्सीनेशन की ताजा स्थिति के अनुसार १८ वर्ष से अधिक उम्र के १५ करोड़ ०४ लाख लोगों को टीका लगाया जाना है, खबर लिखे जाने तक इसमें से ०८ करोड़ १५ लाख लोगों ने टीके की पहली डोज ले ली है, जबकि ०१ करोड़ ८५ लाख से अधिक लोगों को दोनों डोज लग चुकी है। कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए प्रदेश में जारी एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग

और त्वरित ट्रीटमेंट की नीति बेहद कारगर रही है। यूपी में कोरोना की दूसरी लहर नियंत्रण में है और नए केस मिलने की संख्या भी बेहद कम है। ताजा स्थिति को देखें तो विगत २४ घंटे में हुई ०२ लाख १५ हजार २०६ सैम्पल की टेस्टिंग में मात्र १४ नए मरीज मिले। इसी अवधि में २६ मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या १७७ रह गई है। प्रदेश के ३० जिलों में कोविड का एक भी एक्टिव केस नहीं है। विगत दिवस हुई कोविड टेस्टिंग में ६७ जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं मिला। यही नहीं, टेस्टिंग और टीकाकरण में नम्बर देश में नंबर एक यूपी में अब तक ०७ करोड़ ७५ लाख ८१ हजार से अधिक सैम्पल की कोविड जांच की जा चुकी है। आधिकारिक रिकर्ड के अनुसार अब तक १६ लाख ८६ हजार ६६४ प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं। कोविड की ताजा स्थिति के अनुसार अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, आजमगढ़, बागपत, बलिया, बांदा, बहराइच, बिजनौर, फर्रुखाबाद, गोंडा, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, कानपुर देहात, कासगंज, महोबा, मीरजापुर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, संतकबीरनगर, शाहजहांपुर, शामली, श्रावस्ती, सीतापुर और सोनभद्र जिले में कोविड का एक भी एक्टिव मरीज नहीं है। यह जनपद कोविड संक्रमण से मुक्त हैं।

धर्मेन्द्र प्रधान के लिए पश्चिम और पूर्वांचल दोनों विकट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह, केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अनुराग ठाकुर की टीम ने मेल–मुलाकात, तैयारियों का सिलसिला शुरू कर दिया हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने पिछले दिनों एक संवाददाता सम्मेलन में दो टूक कहा था कि पार्टी आगामी चुनाव पीएम मोदी और सीएम योगी के विकास के मडल पर लड़ेगी। चुनाव योगी आदित्यनाथ के नाम पर ही लड़ा जाएगा। पार्टी के जानकारों के अनुसार तैयारियों की पूरी कमान धर्मेंद्र प्रधान के हाथों में है। वे इससे पहले बिहार चुनाव में भाजपा को जीताने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। लेकिन यूपी में प्रधान को तगड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए कि पश्चिमी यूपी में जाट आंदोलन और बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर आम जनता, खासकर महिलाओं की नाराजगी के बीच भाजपा के लिए जमीन तैयार करना बड़ी चुनौती होगी। पश्चिमी यूपी में कृषि कानून के मुद्दे पर जाटों की नाराजगी के कारण चुनौती विकट है। भाजपा के नेता मान रहे है कि पश्चिमी यूपी में उसे नुकसान हो सकता है। इस घाटे को पार्टी पूर्वांचल, बुंदेलखंड, अवध क्षेत्र और काशी में पूरा करना चाहती है। पार्टी की रणनीति यूपी के अन्य क्षेत्रों के अलावा बिहार से सटे यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र की अधिकतर सीटों पर को ले कर भी है। धर्मेन्द्र प्रधान इन क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीटें जीतने की योजना पर काम कर रहे हैं। भाजपा हाईकमान ने पड़ोसी राज्य बिहार में अपनी सांगठनिक क्षमता का प्रभाव दिखा चुके केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द प्रधान के सहयोग के लिए जो सात सह प्रभारी बनाए हैं उनमें

जिसमें अनुराग ठाकुर, सरोज पांडे अर्जुन राम मेघवाल, शोभा करंदलाजे, कैप्टन अभिमन्यु, अन्नपूर्णा देवी और विवेक ठाकुर आज से अपनी चुनावी रणनीति तय करेंगे। भाजपा की यह मुश्किल है जो पूर्वांचल में सपा और सुभासपा जैसे छोटे छोटे कई दल भाजपा को नुकसान पहुंचाने की तैयारी में हैं। इसके २६ जिलों में १५६ सीटें आती हैं। यदि पिछले विधानसभा चुनाव पर गौर करें तो भाजपा ने तब इस क्षेत्र में बेहतरीन सफलता हासिल कर १०६ सीटें पाई थी। वहीं समाजवादी पार्टी को १८, बसपा को १२, अपना दल को ८, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को ४, कांग्रेस को ४ और निषाद पार्टी को १ सीट पर जीत मिली थी, जबकि ३ निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी। लेकिन अब राजनीतिक माहौल बदला हुआ है। पिछली बार भाजपा विपक्ष में थी इस बार सत्ता में है। चुनाव में उसकी जवाबदेही है जहां तक लोक सभा की बात है तो पूर्वांचल की २६ सीटों में लोकसभा चुनाव में भाजपा को २२ सीटें मिली थीं। जबकि चुनाव में समाजवादी पार्टी और बसपा गठबंधन को ६ सीटों पर जीत मिली थी। इसी तरह कांग्रेस के खाते में सिर्फ एक सीट आई थी। यहां की कुछ सीटों पर बसपा का भी असर है। पूर्वांचल ही यूपी की छोटी पार्टियों की भी प्रयोगशाला है और इनमें अपना दल (एस), निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और जनवादी पार्टी शामिल हैं। फिलहाल निषाद पार्टी और अपना दल (एस) भाजपा के साथ गठबंधन में हैं। वहीं जनवादी पार्टी का सपा से गठबंधन है तो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का असर है। ये सब मिलकर भाजपा को हराना चाह रहे हैं। कुछ महीने पहले हुए पंचायत चुनाव में भाजपा का पूर्वांचल में लचर प्रदर्शन रहा है। जिसके बाद से हाईकमान के माथे पर चिंता की लकीरे साफ देखी जा रही हैं। वाराणसी, आजमगढ़, मिर्जापुर कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, बस्ती, गोंडा, देवरिया आदि में अपेक्षा के अनुकूल प्रदर्शन नहीं रहा।

शिवपाल का भतीजे अखिलेश को अल्टीमेटम

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने भतीजे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को विधानसभा के लिए अगले साल होने वाले चुनाव में गठबंधन के लिए ११ अक्टूबर तक का अल्टीमेटम दे दिया। उन्होंने बताया कि प्रसपा अपने चुनाव अभियान की शुरुआत आगामी १२ अक्टूबर को शुभारंभ वृंदावन–मथुरा से सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा निकालकर करेगी। शिवपाल द्वारा भगवान श्रींष्ण की जन्मस्थली मथुरा से चुनाव प्रचार के आगाज के एलान से यह कयास लगाये जा रहे हैं कि वे भी आगामी चुनाव में भाजपा की तरह हिन्दुत्व के मुद्दे पर चुनाव मैदान में होंगे। सपा संस्थापक मुलायम सिंह के अनुज शिवपाल सिंह ने अखिलेश यादव को यह अल्टीमेटम गृहजनपद इटावा में अपने पुत्र आदित्य यादव को निर्विरोध जिला सहकारी बैंक का

अध्यक्ष निर्वाचित होने के मौके पर प्रेस संवाददाताओं से बात करते हुए दिया। शिवपाल सिंह यादव ने इस मौके पर कहा कि वे सपा के जवाब का ११ अक्टूबर तक इंतजार करेंगे। अगर सपा की ओर से कोई जवाब नहीं मिला तो हमारी पार्टी उत्तर प्रदेश की ४०३ विधानसभा सीट पर अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। सपा से गठबंधन पर अखिलेश यादव को अल्टीमेटम देते हुए शिवपाल ने कहा कि हमने सपा के साथ गठबंधन के सारे प्रयास कर लिए। अब इंतजार समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के जवाब का है। प्रसपा प्रमुख ने घोषणा की कि १२ अक्टूबर से प्रदेश भर में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी सामाजिक परिवर्तन रथ यात्रा निकालेगी जिसका शुभारंभ वृंदावन–मथुरा से किया जाएगा। फिलहाल यह रथयात्रा केवल प्रगतिशील समाजवादी पार्टी की ओर से निकाली जा रही है। अभी इसमें किसी अन्य से दलों के शामिल होने की चर्चा नहीं है। शिवपाल सिंह यादव लगभग ३२ साल तक इटावा जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने रहे। यह मुलायम सिंह यादव परिवार का गृह जनपद है। शिवपाल ने अपनी राजनीतिक कैरियर की शुरुआत जिला सहकारी बैक से ही शुरू की थी। आज अपने गृहजनपद के जिला सहकारी बैंक में अपने पुत्र को अध्यक्ष बनवाकर शिवपाल ने अघोषित रूप से पुत्र आदित्य को अपना उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में शिवपाल की परम्परागत जसवंतनगर सीट से आदित्य यादव उम्मीदवार होंगे। शिवपाल यादव खुद इटावा या औरैया की किसी सीट से चुनाव लड़ेंगे। याद रहे कि शिवपाल यादव ने गत लोकसभा चुनाव में फिरोजाबाद से अपने चुनाव लड़ा था। शिवपाल यादव का इटावा के अलावा पड़ोसी जनपद औरैया और फिरोजाबाद में खासा प्रभाव है।

अद्भुत स्विमिंग पूलः दुनिया का सबसे गहरा स्विमिंग पूल

अमरेन्द्र सहाय अमर

स्विमिंग पूल तैराकी सीखने के लिए बेहतर होता है. स्विमिंग पूल को तरण ताल भी कहते हैं. तैराकी या जल क्रीड़ा पर आध

जानकारी देने जा रहे है दुनिया के सबसे गहरे तरण ताल के बारे में. दरअसल दुबई ने दुनिया का सबसे गहरा स्विमिंग पूल तैयार कर लिया है. इसका नाम

है. १,५०० वर्गमीटर में फैले इस पूल में एक डाइव शॉप, गिफ्ट शॉप और ८० सीटों वाला रेस्टोरेंट भी है. ये पूल दुबई के पास नाद अल शेबा इलाके में है. डीप डाइव

द्वारा विकसित की गई फिल्टलर टेक्नोलजी के जरिए हर ६ घंटे में फिल्टतर और सर्कुलेट किया जाता है. साथ ही डाइवर्स की सुविधा के लिए पूल के पानी का

पूल में एक अंडरवाटर फिल्म स्टूडियो भी है जिसमें एडिटिंग रूम, वीडियो वॉल मौजूद है. ५६ अंडरवाटर कैमरा के साथ पूल में अलग–अलग मूड के लिए १६४

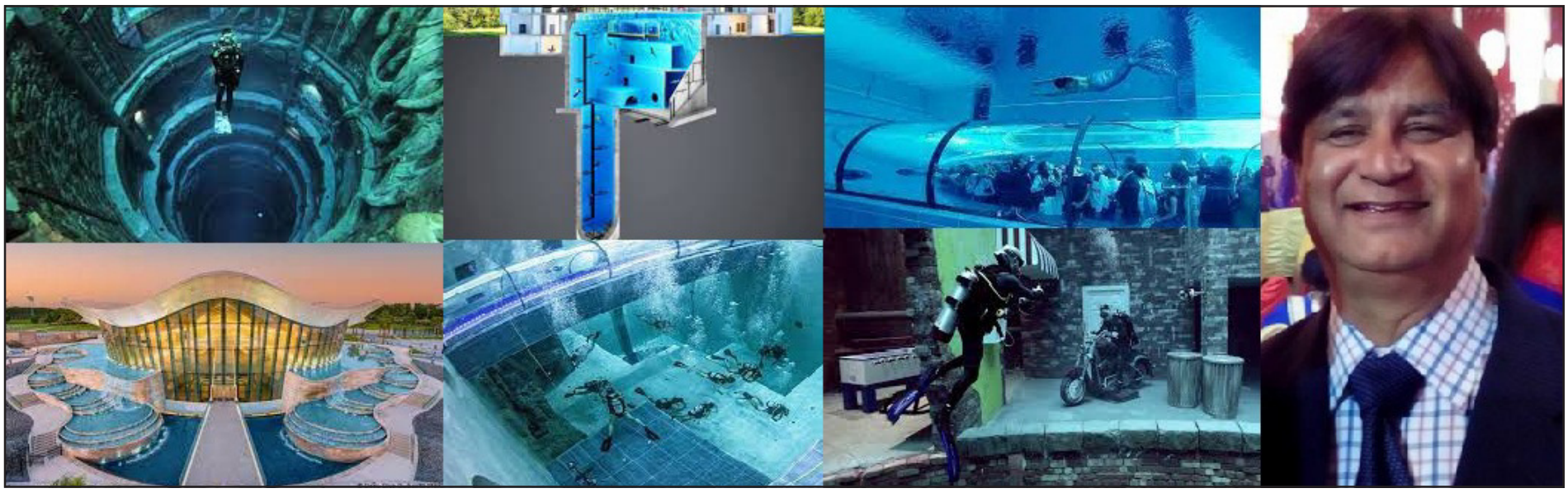

ारित मनोरंजन स्विमिंग पूल से ही संपन्न होता है. अगर आपको स्विमिंग का शौक है तो हम आपको एक ऐसे तरण तरण ताल के बारे में जानकारी देने जा रहे है जो बहुत ही अद्भुत और अनोखा है जी हां, हम आपको

है डीप डाइव दुबई. इस पूल की गहराई ६०.०२ मीटर है. वहीं इसमें १ करोड़ ४० लाख लीटर पानी आता है जो ओलंपिक साइज के छह स्विमिंग पूल्स के बराबर है. दुनिया का यह सबसे गहरा पूल विशाल सीप के आकार का

दुबई की पब्लिक बुकिंग्स जुलाई से शुरू हो चुकी है,इस विशाल तरण ताल को गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स ने दुनिया के सबसे गहरा स्विमिंग पूल होने की मान्यता दे दी है. पूल में भरे हुए १४ मिलियन लीटर पानी को नासा

तापमान ३० डिग्री सेल्सियस पर रखा जाता है. इस खास तरण ताल में २ अंडरवटर ड्राय चेंबर भी हैं, जिनमें बैठकर स्विमिंग न जानने वाले लोग पूल का खूबसूरत नजारा देख सकेंगे. इस पूल में एक अपार्टमेंट, गैराज भी है. इस

लाइट्स लगाई गई हैं. दुबई के क्राउन प्रिंस ने भी अपने ट्विटर अकाउंट पर इस शानदार पूल का वीडियो शेयर करते हुए लोगों को आमंत्रित किया. दुबई ने दुनिया का सबसे गहरा स्विमिंग पूल तैयार कर लिया है।

आप लड़ेगी 'फ्री बिजली' की 'यूएसपी' पर

लखनऊ। आम आदमी पार्टी यूपी के आगामी विधानसभा चुनाव में दिल्ली में हिट रहे 'फ्री बिजली' की 'यूएसपी' के अलावा भाजपा के हिन्दुत्व और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दे को गरमा कर चुनाव की तैयारी में है। इसके अलावा वह शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों के सहारे भी चुनाव मैदान में उतरेगी। इस रणनीति के संकेत पिछले दिनों आप पार्टी द्वारा अयोध्या में निकाली गयी तिरंगा संकल्प यात्रा के बाद से मिले हैं। इस यात्रा में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह लाव लश्कर के साथ शामिल हुए थे। मनीष सिसोदिया ने यूपी में भाजपा सरकार को हटाने के संकल्प के साथ निकाली "तिरंगा संकल्प यात्रा" के समापन पर लोगों को मैसेज देने की कोशिश की कि सिर्फ भाजपा ही हिन्दुत्व की झंडाबरदार नहीं है। मनीष सिसोदिया, यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह व प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह आदि ने अपनी आस्था का मैसेज देने के लिए मंदिरों में दर्शन किये और साधू संतों का आशीर्वाद लिया। उत्तरप्रदेश में आप की चुनावी रणनीति का जिम्मा राज्यसभा सांसद संजय सिंह के कंधों पर है। यूपी का प्रभार संभालने के साथ ही संजय सिंह ने राम मंदिर के लिए खरीदी जमीन में घोटाले का

मुद्दा उछालकर सियासत को गर्माया था। इसके बाद से वे नमामि गंगे परियोजना में घोटाले और कोरोना में सरकारी अस्पतालों की बदहाली, कोरोना व डेंगू से हो रही मौतों का मुद्दा उठा सियासी हल्कों में "आप" पार्टी की मजबूत चुनौती का अहसास करा चुके है। इससे राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा काफी परेशान दिख रही है। यही

कारण है कि विभिन्न जिलों में संजयसिंह पर कई मुकदमे ठोंक दिये गये हैं। पार्टी के सूत्रों के अनुसार संजय सिंह पार्टी के अकेले चुनाव मैदान में जाने के साथ ही एक अलग मोर्चा बनाने की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। इस क्रम में वे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिल चुके हैं। इसके अलावा वे सुभासपा नेता ओमप्रकाश राजभर से भी गठबंधन की संभावनाओं पर चर्चा कर चुके हैं। संजय सिंह कई मौकों पर कह चुके हैं कि यूपी में भाजपा को हराने के लिए आप एक मजबूत मोर्चा बनाकर चुनाव मैदान में उतरेगी। आप की 'तिरंगा संकल्प यात्रा' के लिए पिछले दिनों अयोध्या पहुंचे दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आम आदमी पार्टी को अयोध्या के संतों ने आशीर्वाद दे दिया है। रामलला से भी आशीर्वाद मिला है। सिसोदिया के बयान से साफ है कि आप चुनाव में राम मंदिर और हिन्दुत्व के मुद्दे पर पीछे नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में अरविंद केजरीवाल एक मात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो भगवान राम से प्रेरणा लेकर सरकार चला रहे हैं। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने यात्रा के समापन पर हुई मीटिंग में कार्यकर्ताओं को भगवान राम के आदर्शों पर चलकर राजनीति करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि यूपी में सरकार बनी तो दिल्ली की तरह श्रीराम के आदर्शों का अनुसरण करते हुए अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर काम होगा। इस समय सबसे ज्यादा चर्चा आम आदमी पार्टी के उस वायदे की हो रही है, जिसमें पार्टी ने कहा है कि यदि उनकी सरकार बनती है तो ३०० यूनिट तक फ्री बिजली मिलेगी। खासकर मंहगाई से रूबरू महिलाओं में इसकी चर्चा होती हुई है। यूपी में लोग हिसाब लगाने लगे हैं कि यदि ऐसा होता है तो हर महीने उन्हें कितने का फायदा होगा। कुछ लोगों का मानना है कि दिल्ली में तो उसने बिजली के सहारे सरकार बना ली, पर जाति, धर्म और सम्प्रदाय में बंटे यूपी जैसे राज्य में उसे इससे कितना फायदा होगा, यह आने वाला समय ही बतायेगा। यूपी के राजनीतिक समीक्षकों का मामना है कि दिल्ली और यूपी में फर्क बड़ा है। दिल्ली में फ्री बिजली का वायदा काम कर गया लेकिन यूपी में ये मुद्दा 'मिसफायर' भी कर सकता है। यूपी में उसी पार्टी को चुनाव में वोट मिलते हैं जिसके पास अपना कुछ कैडर वोटरों को बूथ तक लाने का काम करता है। दिल्ली में आप का कैडर तैयार हो गया था जिसका उन्हें लाभ मिला। लेकिन यूपी में अभी ऐसा नहीं है। हालांकि फ्री बिजली जैसे लोक लुभावन वायदों का असर फ्लोटिंग वोटरों पर पड़ता है। लेकिन यूपी जैसे राज्य में जहां लोग जातिगत खेमे में बंटे हैं, फ्लोटिंग वोटरों की संख्या लगभग १० फीसदी मानी जा सकती है। ऐसे में ये सभी किसी एक पार्टी के साथ हो भी जाएं तब भी वे चुनाव परिणाम को ज्यादा प्रभावित नहीं कर पायेंगे।

कांग्रेस पार्टी ने २०१७ के चुनाव से पहले "कर्जा माफ और बिजली बिल हाफ" का नारा दिया था। राहुल गांधी ने इसे लेकर यूपी में कई पदयात्राएं भी की थीं। लेकिन कांग्रेस यूपी में कोई करिश्मा नहीं कर पायी। राष्ट्रीय स्तर पर मुद्दा खड़ा करने और लगातार भाजपा से संघर्ष करते रहने की छवि बनाने के बावजूद कैडर वोट खो चुकी कांग्रेस को यूपी में सिर्फ उन्हीं सीटों पर जीत मिली, जहां से उसके उम्मीदवारों की अपनी पकड़ मजबूत थी। यूपी में तीनों मजबूत पार्टियों भाजपा, सपा और बसपा के पास अपना मजबूत कैडर है। इन पार्टियों के पास कम से कम २० से २५ फीसदी संख्या के कैडर वोट हैं। इसमें दस फीसदी फ्लोटिंग वोटरों के जुड़ते ही इन पार्टियों के चुनावी समीकरण बदल जाते हैं और पार्टी नंबर एक या दो की लड़ाई में नजर आने लगती है। यानी जिस पार्टी को अपने कैडर के अलावा दस फीसदी फ्लोटिंग वोट अतिरिक्त मिल जाए तो उसकी सरकार बन जाएगी। यूपी में भी फ्री बिजली जैसे मुद्दों से आम आदमी पार्टी कुछ हद तक फ्लोटिंग वोट तो हथिया सकती है। लेकिन कैडर तैयार नहीं होने के कारण वह जीतने लायक समीकरण बना पायेगी, इसमें संदेह है। पर यदि आम आदमी पार्टी सपा या किसी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन बनाकर चुनाव लडेगी तो यूपी में भी गुल खिला सकती है।

किसानों के साथ बातचीत करें प्रधानमंत्री, तीनों 'काले कानून' वापस लिए जाएंः कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों के भारत बंद का सोमवार को समर्थन किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों के साथ बातचीत करनी चाहिए और तीनों 'काले कानूनों' को वापस लेना चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, किसानों का अहिंसक सत्याग्रह आज भी अखंड है, लेकिन शोषण करने वाली सरकार को यह नहीं पसंद है, इसलिए आज भारत बंद है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीनों 'काले कानून' वापस लेना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ''खेत किसान का, मेहनत किसान की, फसल किसान की, लेकिन भाजपा सरकार इन पर अपने खरबपति मित्रों का कब्जा जमाने को आतुर है। पूरा हिंदुस्तान किसानों के साथ है। नरेंद्र मोदी, काले कानून वापस लीजिए।'' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा, ''लड़ाई लड़ेंगे फसलों की, अडिग रहेंगे, डटे रहेंगे, हे अहंकारी निर्दयी मोदी सरकार ! हमारे खेतों की चीख, और माटी की तड़प, तुम्हें सोने नही देगी। किसान के बेटे हैं, इस विराट आन्दोलन में तुम्हारे दमन, उत्पीड़न, हिंसा के खिलाफ सड़कों पर किसानों के साथ फसलों की लड़ाई लड़ेंगे।'' पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री जी, क्या कारण है कि आप किसानों से बातचीत नहीं कर रहे हैं।

सरकार के इस रवैये से सिर्फ किसानों का नहीं, बल्कि देश का नुकसान हो रहा है। जिस देश के किसान परेशान हों, वहां के प्रधानमंत्री को नींद नहीं आनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''प्रदर्शन करना, किसानों का लोकतांत्रिक अधिकार है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम किसानों का समर्थन करें। हम सभी को मिलकर किसानों का समर्थन करना होगा, तभी यह सरकार झुकेगी।'' उन्होंने प्रधानमंत्री से किसान संगठनों से बातचीत करने का आग्रह किया और यह सवाल भी किया, '' आपने २२ जनवरी को कहा था कि मैं किसानों से सिर्फ एक फोन कल की दूरी पर हूं। कहां है वो फोन कल?'' खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार उद्योगपतियों के दबाव के कारण किसानों की उचित मांग को अनसुना कर रही है। गौरतलब है कि कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने २७ सितंबर को 'भारत बंद' का ऐलान किया था। कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दलों ने किसानों के भारत बंद का समर्थन किया। देश के विभिन्न हिस्सों, विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान, पिछले साल नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी केन्द्र के तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। किसानों को भय है कि इससे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली खत्म हो जाएगी। सरकार इन कानूनों को प्रमुख कृषि सुधारों के रूप में पेश कर रही है। दोनों पक्षों के बीच १० दौर से अधिक की बातचीत हो चुकी है,लेकिन इनका कोई नतीजा नहीं निकला है।

PM मोदी पर कांग्रेस का वार, कहा- काश, प्रधानमंत्री ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान अस्पताल का दौरा किया होता

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए संसद भवन के निर्माण स्थल का दौरा करने को लेकर सोमवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि काश, उन्होंने कोरोना महामारी दूसरी लहर के दौरान किसी अस्पताल का दौरा किया

होता जब लोग अपने प्रियजन की जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री का नये संसद भवन के निर्माण स्थल का दौरा करना 'असंवेदनशील' रुख हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''तीन महीने पहले (दूसरी लहर) जब लोग अपने प्रियजन को बचाने की जद्दोजहद कर रहे थे, काश, उस वक्त प्रधानमंत्री किसी अस्पताल या किसी निर्माणाधीन अस्पताल का दौरा कर लेते। लेकिन संसद के निर्माणाधीन स्थल का दौरे का हम समर्थन नहीं कर सकते। यह असंवेदनशील रुख है।'' उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को नए संसद भवन के निर्माण स्थल का दौरा किया और वहां चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लिया। नए संसद भवन का निर्माण अगले वर्ष के दूसरे पूर्वार्ध तक पूरा होने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और इसमें लगे लोगों से बातचीत की। यह इमारत सेंट्रल विस्टा परियोजना का हिस्सा है जिसको लेकर विपक्ष सरकार पर निशाना साधता रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, २०२२ में संसद का शीतकालीन सत्र नए भवन में होगा। संसद के नए भवन का क्षेत्रफल ६४,५०० वर्गफुट होगा।

शिव राष्ट्र सेना फाउंडेशन द्वारा टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

गोरखपुर। आज शिव राष्ट्र सेना फाउंडेशन की शुरुआत हुई, जिसमें प्रथम कार्य जनता के हित के लिए और जनता की सुरक्षा के लिए फाउंडेशन पूर्ण रूप से समाज की सेवा के लिए समर्पित है और हम सभी के मदद करने के लिए समर्पित हैं, और आगे भी फाउंडेशन लोगों

निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप लगाकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रामीण विधायक विपिन सिंह द्वारा हुआ। शिव राष्ट्र सेना प्रमुख रितेश आल्हा ने कहा कि शिव राष्ट्र सेना की मदद करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। शिव राष्ट्र सेना फाउंडेशन महिला प्रमुख ने कहा कि जैसे आज हेल्थ सेक्टर से संबंधित निशुल्क वैक्सीनेशन कैंप लगवाया गया है वैसे ही आगे भी समाज के सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य से संबंधित सभी कार्य किया जायेगा। शिक्षा से संबंधित असहाय बच्चों को फाउंडेशन निशुल्क पढ़ाई से संबंधित सभी सामग्रियों का वितरण करेगा एवं मातृशक्तिओं की सुरक्षा के लिए एक मुहिम कि शुरुआत किया जायेगा। बड़े पैमाने पर नारी शक्तियों को जोड़ना यह फाउंडेशन का लक्ष्य है। अमन गुप्ता ने कहा कि शिव राष्ट्र सेना फाउंडेशन का जो लक्ष्य है उन्हें हम सभी शिवराज के सैनिक एवं फाउंडेशन से जुड़े सभी वरिष्ठ जन मिलकर पूरा करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजसेवी राजकुमार आल्हा,कमेटी अध्यक्ष उमेश मद्धेशिया , महामंत्री गोपाल जयसवाल, रमन पंडित सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत बंद के कारण २५ ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित, रेलवे ने दी जानकारी

नयी दिल्ली। केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ विभिन्न किसान यूनियन द्वारा आहूत 'भारत बंद' के कारण सोमवार को करीब २५ ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा, ''दिल्ली, अंबाला और फिरोजपुर संभागों में २० से अधिक स्थानों पर जाम हैं। इसके कारण करीब २५ ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।'' अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली–

अमृतसर शान–ए–पंजाब, नई दिल्ली–मोगा एक्सप्रेस, नई दिल्ली से कटरा जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस और अमृतसर शताब्दी आदि प्रभावित ट्रेनों में शामिल हैं। किसान संगठनों ने तीन कृषि कानूनों के पारित होने के एक साल पूरा होने पर सोमवार को भारत बंद का आह्वान किया है। बंद सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक प्रभावी रहेगा।

LAC पर फिर बढ़ी चीन की सक्रियता, 8 जगहों पर PLA ने बनाए अपने अस्थायी टेंट

लद्दाख। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर भारत और चीन के बीच गतिरोध बना हुआ है। इसी बीच चीन की मौजूदगी के कुछ और सबूत मिले हैं। आपको बता दें कि १७ महीने पहले गलवान घाटी में हुई मुठभेड़ के बाद एक बार फिर से चीन सक्रिय होने लगा है और उसकी सेना (पीएलए) बंकर तैयार कर रही है। खुफिया रिपोर्ट्स

के मुताबिक एलएसी के पास चीन ने तकरीबन ८ अस्थायी टेंट का निर्माण किया है। जहां पर पीएलए के सैनिक रह सकें। अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की पीएलए ने उत्तर में काराकोरम दर्रे के पास वहाब जिल्गा से लेकर पियू, हॉट स्प्रिंग्स, चांग ला, ताशीगोंग, मांजा और चुरुप तक अपने सैनिकों के लिए अस्थायी टेंट लगाए हैं। पिछले साल गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद चीन ने कई अस्थायी टेंट बनाए हैं। हालांकि इन नए टेंट को पुराने मौजूद टेंटों के अलावा लगाया गया है। जिससे अंदेशा लगाया जा सकता है कि चीन लंबे समय तक वहां पर डटा रहेगा। रोन की हो रही तैनाती पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास भारत और चीन दोनों की सेनाओं के करीब ५०–५० हजार सैनिक तैनात हैं। इनके पास हवित्जर, टैंक और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें इत्यादि मौजूद हैं। इस असहज स्थिति के बीच दोनों सेनाएं उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्र से नियमित रूप से अपने सैनिकों बदलते रहते हैं। हालांकि दोनों सेनाएं एक–दूसरे पर नजर रखने के लिए विमान और ड्रोन को तैनात कर रही हैं। चीन ने लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक फैले ३४८८ किमी लंबी सीमा के पास कई नई हवाई पट्टियां और हेलीपैड विकसित किए हैं। इसके अलावा चीन ने अपने प्रमुख एयरबेस होतन, कशगार, गरगुनसा, ल्हासा–गोंग्गर और शिगात्से को भी अपग्रेड किया है।

अब जाति, मजहब, क्षेत्र देखकर नहीं दिया जाता जनहित की योजनाओं का लाभ : सीएम योगी

गोरखपुर। एकात्म मानववाद व अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर विश्वविद्यालय स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी अंत्योदय का सपना देखा था। सात वर्षों से वही सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश मे पीएम मोदी की अगुवाई में समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के लिए लोक कल्याणकारी योजनाएं लागू हुई हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय का स्पष्ट मत था कि हमारी योजनाओं का आधार समाज के सम्पन्न नहीं, अंतिम पायदान का व्यक्ति होना चाहिए। आज उनका यह सपना साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर गरीब को आवास, शौचालय, हर गरीब महिला को ऊर्जा के लिए ग्रीन एनर्जी के रूप में मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन, हर गरीब को आयुष्मान योजना से पांच लाख रुपये तक स्वास्थ्य सुरक्षा कवर जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इन योजनाओं का लाभ किसी का चेहरा, जाति, मजहब या क्षेत्र देखकर नहीं दिया जाता है। यह केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से अंत्योदय के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए उनके जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास है। सीएम

योगी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोनाकाल के दौरान भी ऐसे कार्यक्रम प्रारम्भ हुए हैं जिसने लोक कल्याणकारी सरकार के मानवीय चेहरे को दुनिया के सामने रखा है। महामारी में बीमारी से तो मौतें होती हैं लेकिन बीमारी से अधिक मौतें भूख से होती हैं। एक लोक कल्याणकारी सरकार अपनी मानवीय संवेदनाओं को जनमानस के प्रति किस प्रकार व्यक्त करती है, इसका उदाहरण पूरी दुनिया ने देखा है। २०२० में आठ माह तक हर व्यक्ति को मुफ्त राशन दिया गया। इस वर्ष मई से नवम्बर तक इसे फिर से प्रारम्भ किया गया। विगत २४ माह में १५ माह मुफ्त राशन दिया गया। उत्तर प्रदेश में १५ करोड़ लोग और देश में ८० करोड़ लोग इससे लाभान्वित हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि १९५० के दशक में सरकार का मानवीय चेहरा क्या हो, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सरकार को झकझोरने के लिए जिन शब्दों का वर्णन किया, हो सकता है कि उस समय सरकारों ने उसे गंभीरता से न लिया हो। पर, साठ दशक बाद पंडित उपाध्याय का यह सपना पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरा हो रहा है। यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को भी आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा। सीएम ने कहा कि पंडित दीनदयाल की जयंती पर आज हर ब्लक में गरीब कल्याण मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में आरोग्य जांच होगी, दिव्यांग को उपकरण वितरण, किसानों को ंषि यंत्रों का वितरण भी किया जाएगा। हर नागरिक के जीवन में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ कैसे उपलब्ध हो सके, इस दिशा में गरीब कल्याण मेला महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

कृषि कानूनों के विरोध में भारत बंद से जनता हुई परेशान, टिकैत बोले- हम सफल रहे

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा ने एकदिवसीय भारत बंद बुलाया, जिसकी वजह से राजधानी दिल्ली का यातायात प्रभावित रहा। जबकि किसान नेता राकेश टिकैत का कहना है कि भारत बंद सफल रहा है। वहीं बात राजस्थान में चल रही रीट परीक्षा की करेंगे। जिसको लेकर परीक्षार्थियों ने आंदोलन किया और अंत में बात असदुद्दीन ओवैसी की होगी। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों के भारत बंद के आह्वान पर पंजाब, हरियाणा में किसानों ने राजमार्ग और सड़कें जाम कीं तथा कई जगह रेलवे पटरी पर बैठ गए, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। पंजाब में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने कहा है कि वह तीन विवादित कानून के विरोध ा में किसान यूनियनों के 'भारत बंद' के आह्वान पर उनके साथ ढ़ता से खड़ी है। वहीं भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भारत बंद के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत बंद पूर्ण रूप से सफल रहा है। आपको बता दें कि विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने राजमार्गों और प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। कई स्थानों पर वे रेल की पटरियों पर भी बैठ गए जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। बंद सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक जारी रहा। इस दौरान लोगों को भारी जाम का सामना करना पड़ा। बंद का अधिकतर असर गुड़गांव, गाजियाबाद और नोएडा सहित दिल्ली–एनसीआर क्षेत्रों में दिखा, जहां से रोजाना हजारों लोग कामकाज के सिलसिले में सीमा पार करते हैं। दिल्ली से लगी गाजियाबाद और नोएडा की सीमाओं पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, जबकि कुछ प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली में गाजियाबाद और निजामुद्दीन को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया। इसी बीच बीकेयू (भानु) के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने राकेश टिकैत पर ही हमला बोला और तालिबान का भी जिक्र किया। राजस्थान में शिक्षकों के लिए रीट की परीक्षा दो पारियों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार को आयोजित की गई थी। इस दौरान अलवर जिले के एक परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देरी से शुरू हुई। जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया और परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन किया। हालांकि प्रदर्शनकारियों का आंदोलन सफल रहा। राजस्थान सरकार ने देरी से शुरू हुए परीक्षा केंद्रों के परीक्षार्थियों के लिए फिर से परीक्षा का आयोजन करने की घोषणा की है।

अयोध्या में किसान मोर्चा का प्रदर्शन, सैकड़ों कार्यकर्ता गिरफ्तार

अयोध्या। संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा किसी कानून के विरोध में भारत बंद का आह्वान किया गया इसको लेकर आज जनपद में स्थान स्थान पर किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर प्रदर्शन भी किया गया तो वही इस प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी भी हुई। दरअसल, ंषि कानून के विरोध में भारत बंद को लेकर आज अयोध या जनपद में जमकर संयुक्त किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया गया। तो वहीं कई स्थान पर तरह तरह के प्रदर्शन करते हुए शहर के गुलाब बाड़ी, रिकाबगंज, सिविल लाइन तिरकोनिया पार्क सहित अन्य स्थानों से सैकडों की तादात में किसान कहीं टैक्टर ट्राली तो कहीं पैदल मार्च कर बंदी की अपील किया। वहीं प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं को रोके जाने के साथ सैकड़ों किसानों की गिरफ्तारी भी हुई। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने बताया कि सरकार कृषि बिल को वापस हो और एमएसपी पर कानून बनाये जाने को लेकर दिल्ली के सीमाओं पर १० माह से भारतीय किसान मोर्चा के आंदोलन कर रहा है। वहीं अब उत्तर प्रदेश में किसान के द्वारा भारत बंद का आवाहन किया गया था। जिसको को लेकर आज सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर ट्राली के साथ प्रदर्शन करते हुए शहर के चौक गांधी पार्क तक पहुंच रहे थे लेकिन रास्ते में ही पुलिस प्रशासन के द्वारा रोक कर हम सभी लोग गिरफ्तारी की गई है। यह प्रसाशन की गुंडागर्दी है। हम इस गिरफ्तारी का विरोध करते हैं।

मिशन २०२२ : मगंलवार को गोरखपुर आएंगे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

गोरखपुर। भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह मंगलवार की सुबह ंषक एक्सप्रेस से गोरखपुर आयेंगे। सर्वप्रथम सुबह ९ बजे गीता प्रेस रोड पर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां बताने के लिए जन संपर्क करेंगे और इससे संबंधित पत्रक बाटेंगे। फिर गोरखपुर क्लब में शिक्षक प्रकोष्ठ की क्षेत्रीय टीम को संबोधित करेंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष डा धर्मेंद्र सिंह के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ बच्चा पांडेय नवीन ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष कुशीनगर में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। वहां से लौट कर गोरखपुर सर्किट हाऊस आयेंगे। यहां पर शाम छह बजे से गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर और देवरिया के विधानसभा क्षेत्र के चुनाव प्रभारियों की बैठक लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष देर रात ंषक एक्सप्रेस से ही लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे।

सुबह-ए-बनारस क्लब की ओर से जेनेरिक दवाओं को लेकर चलाया गया जन जागरूकता अभियान

वाराणासी। आम जनता की पहुंच से दूर होते जा रहे महंगे अंग्रेजी दवाओं के विकल्प के रूप में जन औषधि योजना के तहत आने वाले जेनेरिक दवाओं ने महंगे अंग्रेजी दवाओं के मूल्य से कई गुना सस्ती अपने ४०० उत्पादों के साथ दवाओं की उपस्थिति बाजार में करा कर गरीब मरीजों के लिए वरदान साबित हुआ है। इन जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल किए बिना ही किसी के संदेह करने की अपील के साथ लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था सुबह–ए– बनारस क्लब के बैनर तले संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल एवं महासचिव राजन सोनी के नेतृत्व में मैदागिन स्थित भारतेंदु पार्क में नित्य प्रतिदिन हजारों टहलने वाले लोगो के बीच जनहित में हाथों में जेनेरिक दवा का डिब्बा लेकर एक जन–जागरूकता अभियान चलाया गया।उपरोक्त अवसर पर बातचीत करते हुए संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल एवं महासचिव राजन सोनी ने कहा कि जब कोई दवा बनती है तो कंपनियां उसको पेटेंट करा लेती है। जिसकी वजह से वह दवा काफी महंगे मूल्य में बाजार में उपलब्ध हो पाती है। वही दवा जब पेटेंट के दायरे से बाहर आती है और उसी दवा को कई कंपनियां जब बनाती है तो वह दवा सस्ते मूल्य मे जेनेरिक दवा के रूप में बाजार में उपलब्ध हो जाती है। आजकल के मिलावटी खानपान जंक फूड के प्रति लोगों का रुझान पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रहे शुगर और ब्लड प्रेशर के पाए जाने वाले मरीज, दूषित वातावरण के वजह से घर के किसी ना किसी सदस्य के अंदर पनप रहे बीमारियों के कारण महंगाई के इस दौर में घर का मुखिया उस समय असहाय और लाचार हो जाता है। आज के इस आधुनिक युग में लोग इलाज के लिए महंगे हो चुके डक्टर के फीस एवं महंगे दवाओं के चक्कर में अपनी जमा पूंजी गंवा देते है। ऐसी स्थिति में मानसिक रूप से अपने आप को वह काफी असहाय व लाचार महसूस करता है। ऐसे जरूरतमंदों के लिए बाजार में वरदान के रूप में आए जन औषधि योजना के तहत जेनेरिक दवा बहुत हद तक राहत देने का कार्य कर रहा है। जन औषधि केंद्र पर बिकने वाली जेनेरिक दवाओं को लेकर शुरुआती चरण में इनकी गुणवत्ता को लेकर अफवाहें भी फैलाई गई। मगर वास्तविकता यह है कि इनकी गुणवत्ता चमकीली–भड़कीली पैकिंग में बिकने वाली अग्रेजी दवाओं से कहीं से भी कम नहीं है। कमीशन के चक्कर में फैलाया गए इसके दुष्प्रचार एवं जानकारी ना होने के कारण लोगों में इसके प्रति जागरूकता में काफी कमी है। जो कोई भी जेनेरिक दवा का इस्तेमाल एक बार कर लेता है। उसके बाद उसका रुझान खुद ब–खुद उसकी ओर हो जाता है।

मुसलमान 'बैंड बाजा पार्टी' की तरह हैं, उनके पास कोई नेतृत्व नहीं है : असदुद्दीन ओवैसी

कानपुर। **AIMIM** प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिमों की राजनीतिक स्थिति की निंदा की और कहा कि वे शादियों में बैंड, बाजा पार्टी की तरह हैं। **AIMIM** नेता ने कानपुर में ये टिप्पणी की, जिसके दौरान उन्होंने इस तथ्य पर भी खेद व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश में १६: आबादी होने के बावजूद मुसलमानों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। ाप्डप्ड अध्यक्ष ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों की हालत बारात में 'बैंड बाजा पार्टी' जैसी हो गई है। जहां मुसलमानों को पहले संगीत बजाने के लिए कहा जाता है लेकिन विवाह स्थल पर पहुंचने पर उन्हें बाहर खड़ा कर दिया जाता है। असदुद्दीन ओवैसी ने कानपुर में कहा कि अब मुसलमान वाद्य यंत्र नहीं बजाएंगे। यहां तक घ्धकि हर जाति का एक नेता है लेकिन मुसलमानों का कोई नेता नहीं है। यूपी में १६ फीसदी मुस्लिम आबादी है, लेकिन एक भी नेता नहीं है। ओवैसी ने हाल ही में घोषणा की है कि उनकी पार्टी ाप्डप्ड मुसलमानों के बीच नेतृत्व बनाने के वादे पर उत्तर प्रदेश में अगले साल विध ानसभा चुनाव लड़ेगी। उनकी घोषणा ने उन राजनीतिक दलों में बेचैनी पैदा कर दी है जो अब तक मुसलमानों को अपना मूल वोट बैंक मानते थे। जाटव, यादव, राजभर और निषाद सहित विभिन्न जातियों जो उत्तर प्रदेश की आबादी का एक अपेक्षोंत छोटा हिस्सा हैं कमोबेश उनका अपना नेतृत्व है। लेकिन मुस्लिम जो राज्य में १६ प्रतिशत से अधिक लोगों के लिए जिम्मेदार हैं। कोई संयुक्त नेतृत्व नहीं दिखता। इसलिए ओवैसी के नेतृत्व वाली अञ्जूल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (**AIMIM**), समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस के हाथों मुसलमानों की गुलामी को खत्म करना चाहती है। जो पार्टी के नेताओं के अनुसार वे उन्हें अपने वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे राज्य में ८२ विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां

मुस्लिम मतदाता उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत बनाने या बिगाड़ने की स्थिति में हैं। पिछले साल के बिहार चुनावों में मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र से पांच सीटें जीतकर उत्साहित ओवैसी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश के चुनाव में ४०३ सीटों में से १०० पर उम्मीदवार उतारेगी। अगले साल की शुरुआत मेंआयोजित किया जाना है। हैदराबाद के सांसद ने इस महीने की शुरुआत में अयोध्या से अपना चुनाव अभियान शुरू किया था और तब से विभिन्न स्थानों पर जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। **AIMIM** के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार के अनुसार पार्टी का मुख्य लक्ष्य समुदाय की प्रगति और बेहतर भविष्य के लिए मुसलमानों के बीच एक राजनीतिक कथा और नेतृत्व बनाना है। सपा और बसपा ने ओवैसी पर मुस्लिम वोटों को विभाजित करने की कोशिश करके सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हितों की सेवा करने का आरोप लगाया है और देश के राजनीतिक क्षेत्र में एआईएमआईएम के किसी भी प्रभाव की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है। सपा के वरिष्ठ नेता अबू आजमी ने ओवैसी को वोट–कटवा (वोटों के बंटवारे) के रूप में खारिज कर दिया। जो समाजवादी पार्टी की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए भाजपा की ओर से काम कर रहे हैं। कांग्रेस के राज्य मीडिया समन्वयक लल्लन कुमार ने कहा कि ओवैसी केवल चुनाव के समय मुसलमानों को याद करते हैं और दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय ने पारंपरिक रूप से सबसे पुरानी पार्टी का समर्थन किया है। २०११ की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में मुसलमानों की आबादी १६.२६ प्रतिशत है। वे राज्य के ४०३ विधानसभा क्षेत्रों में से ८२ में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। ओवैसी की पार्टी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर द्वारा गठित भगदारी मोर्चा के हिस्से के रूप में उत्तर प्रदेश चुनाव लड़ेगी।

गुरु और शिष्य का रिश्ता हुआ शर्मसार

लखनऊ। गुरु और शिष्य का रिश्ता वैसे तो बेहद पवित्र होता है, लेकिन जब गुरु ही शिष्या पर गलत नजरे गड़ा दे तो इससे ज्यादा शर्म की क्या बात होगी। राजधानी के मलिहाबाद थाना क्षेत्र में एक ऐसे ही शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसने अपने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म किया और बाद में अपने सहयोगी से शादी भी करवा दिया। मलिहाबाद के एक गांव में शिक्षक वर्ष २०१४ में दूसरे स्कूल की नाबालिग छात्रा को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया। कई दिनों तक होटल व किराये के मकान में रखकर यौन शोषण किया। घर वालों ने दूसरी जाति की लड़की बताकर शादी से इनकार कर दिया तो आरोपी शिक्षक ने इस छात्रा को अपनी बहन बताकर दोस्त से शादी करा दी। वहीं उसकी तलाश में जुटे घर वालों ने वर्ष २०१७ में आरोपी शिक्षक हिमांशु के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी थी। अब पुलिस ने पीड़िता को गिरफ्तार कर इस घटना का खुलासा किया। इस समय उसके दो बच्चे है। पुलिस आरोपी शिक्षक को ढूंढ़ रही है। मलिहाबाद कोतवाली के एसएसआई नदीम अहमद ने बताया कि वर्ष २०१७ में लड़की के घर वालों ने शिक्षक हिमांशु के खिलाफ एफआईआर लिखायी थी। उसे ढूंढ़ा जा रहा था। इस दौरान ही उसके लखनऊ आने की बात पता चली। उसे रास्ते से ही बरामद कर लिया गया। उसने बताया कि हिमांशु ने शादी का झांसा दिया था। लेकिन बाद में उसे अपने एक दोस्त से शादी करने को मजबूर कर दिया। दोस्त से उसका परिचय अपनी बहन के तौर पर कराया था। अब दोस्त से उसके दो बच्चे भी हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शादी हो चुकी है, इसलिये वह खुलकर ज्यादा नहीं बोल रही है। इस मामले में पुलिस कई और बिन्दुओं पर पड़ताल कर रही है। इसकी जांच सीओ मलिहाबाद कर रहे हैं।

रेस्टोरेंट में वेटर की चाकूओं से गोदकर हत्या

लखनऊ। राजधानी के विकास नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक रेस्टोरेंट के कर्मचारियों ने अपने ही साथी वेटर की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। वेटर की नौकरी का पहला दिन था। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपी कर्मचारियों को हिरासत में लेकर हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। घटना बीते शनिवार देर रात की है। इंस्पेक्टर विकासनगर इंस्पेक्टर आनंद तिवारी ने बताया कि राजाजीपुरम निवासी ऋषि थापा ने रेस्टोरेंट में शनिवार से अपनी नौकरी शुरू की थी। दिन पर माहौल ठीक था, लेकिन देर रात रेस्टोरेंट बंद होने के बाद ऋषि का कर्मचारी लकी रावत से झगड़ा हो गया। कुछ और कर्मचारियों से भी झगड़े के दौरान गाली–गलौज हुई और मारपीट शुरू हो गई। मारपीट के दौरान लकी ने ऋषि पर चाकू से ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। हमले से ऋषि गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात को अंजाम देर कर्मचारी भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल ऋषि को अस्पताल लेकर पहुंची। जहां, डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि पुलिस टीम ने दबिश देकर लकी समेत अन्य कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया है। हत्यारोपित समेत अन्य से पूछताछ की जा रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके साथ ही रेस्टोरेंट संचालक सुमित को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। जल्द ही साक्ष्यों के आधार पर आरोपित की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। इंस्पेक्टर ने बताया कि जिन कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है, उन्होंने पूछताछ के दौरान काम लेकर हुई बहस का कारण बताया है, बताया जा रहा था शनिवार को दोपहर में कर्मचारियों से गाली गलौच हुई थी, उसके बाद मामला शांत हो गया था।

२.५ किलो अफीम के साथ दो युवक गिरफ्तार

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। शाहजहांपुर में पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो युवकों को २ किलो ५०० ग्राम अफीम एवं २ मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया है। जनपद शाहजहांपुर में थाना रौजा व एस.ओ.जी की पुलिस टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस अध ीक्षक एस.आनन्द के निर्देशानुसार जनपद में मादक पदार्थो की रोकथाम व मादक पदार्थ तस्करो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत २७ सितंबर की रात्रि को गन्ना शोध संस्थान के सामने, सुभाष चौक से ०२ अभियुक्तो क्रमशः शाहिद उर्फ मल्लू और प्रदीप कुमार को ०२ किलो ५०० ग्राम फाइन क्वालिटी की अफीम, ०२ मोबाइल फोन व १२५०ध्– रूपये नगद बरामद कर गिरफ्तार किया गया है । इस सम्बन्ध में थाना रौजा पर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को मा० न्यायालय पेशी हेतु रवाना किया जायेगा ।

एड फिल्म के नाम पर बनाई युवती की अश्लील वीडियो, किया ब्लैकमेल

लखनऊ। फिल्म की शूटिंग के नाम पर युवती के साथ दिल दहलाने वाला मामला हुआ। युवती ने गोमतीनगर थाने में एफआइआर दर्ज कराई कि एड फिल्म की शूटिंग का झांसा देकर उसकी अश्लील वीडियो बनाई और उसे वायरल कर दिया। आरोपितों ने इंटरनेट से पोस्ट हटाने के बदले दो लाख रुपयों की मांग की। एसीपी गोमतीनगर श्वेता श्रीवास्तव के मुताबिक काकोरी निवासी युवती यहां विनीत खंड में रहती है। युवती का आरोप है कि मडलिंग के सिलसिले में उसकी मुलाकात रेहान से हुई थी। रेहान ने उसे आयुष और दीया से मिलवाया था। इसके बाद आरोपितों ने एड फिल्म में काम दिलाने का झांसा दिया और उसे वाराणसी लेकर गए। तीनों ने युवती की अश्लील वीडियो बनाई और इंटरनेट मीडिया पर उसे वायरल कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन कर रही है।

नशे की हालत में युवकों ने मचाया हंगामा, अपार्टमेंट के बाहर चलाई गोली

लखनऊ। कुर्सी रोड स्थित सरगम अपार्टमेंट के गेट के बाहर देर रात शराब पी रहे युवकों को गार्ड ने टोका तो आरोपित नाराज हो गए। आरोपित कार लेकर सीधे अंदर घुस गए और गार्ड से अभद्रता शुरू

कर दी। यही नहीं एक आरोपित ने असलहा निकालकर गोली भी चला दी। नशे में धुत युवकों की करतूत अपार्टमेंट के गेट पर लगे कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपित युवक सुरक्षा कर्मी से अभद्रता करते दिख रहे हैं। इसमें से एक युवक असलहा निकालकर लहरा रहा है, जिसे उसका साथी रोकने की कोशिश भी करता है, लेकिन तब तक गोली चल जाती है। गोली चलाने के बाद भी आरोपित आराम से वहीं काफी देर तक खड़े रहते हैं। वहीं, गनीमत रही कि फायरिंग में गार्ड बाल–बाल बच गया उसे गोली नहीं लगी। सीसीटीवी फुटेज में आरोपित लग्जरी गाड़ी से गेट के भीतर प्रवेश करते दिख रहे हैं। वहीं इंटरनेट मीडिया पर भी आरोपितों की ये करतूत वायरल हो रही है। इस पर लोग तरह तरह के सवाल भी उठा रहे हैं। इस मामले में गुडंबा थाने में अभी तक किसी ने तहरीर नहीं दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर लेकर ही एफआइआर दर्ज की जाएगी। वहीं गाड़ी नंबर के आधार पर हंगामा व फायरिंग करने वाला के खिलाफ कारवही की जाएगी।

योगी मंत्रिमंडल में सात नये चेहरे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपनी कैबिनेट में क्षेत्र और जातिगत समीकरण साधते हुये सात नये मंत्रियों को शामिल किया। कांग्रेस

छोड़ कर करीब तीन महीने पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुये जितिन प्रसाद को ब्राह्मण चेहरे के तौर पर कैबिनेट में स्थान मिला है जबकि छह अन्य को राज्य मंत्री बनाया गया है। राज्य मंत्रियों में दो दलित, तीन अन्य पिछड़ा वर्ग और एक अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व करते हैं। राजभवन के गांधी सभागार में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल में नये मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्री जितिन प्रसाद के अलावा संगीता बलवंत बिंद (ओबीसी), धर्मवीर प्रजापति (ओबीसी), पलटूराम (अनुसूचित जाति), छत्रपाल गंगवार (ओबीसी), दिनेश खटिक (दलित) और संजय गौड़ (अनुसूचित जनजाति) को राज्यमंत्री के तौर पर योगी की टीम में शामिल किया गया है। श्री जितिन प्रसाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहाजहांपुर से ताल्लुक रखते है,इसके अलावा धर्मवीर प्रजापति आगरा, छत्रपाल गंगवार बरेली, दिनेश खटिक मेरठ से हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले मंत्रियों में पलटूराम बलरामपुर,संगीता बलवंत बिंद गाजीपुर और संजय गौड़ सोनभद्र से आते हैं। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा उनके मंत्रिमंडल के कई अन्य सहयोगी मौजूद थे। योगी मंत्रिमंडल में अभी ५३ मंत्री है जबकि सात नये मंत्रियों के शामिल होने से मंत्रिमंडल के लिये निर्धारित कोटा ६० का आंकड़ा पूरा हो गया है। मौजूदा मंत्रिमंडल विस्तार से पहले योगी कैबिनेट में २२ मंत्री, नौ मंत्री स्वतंत्र प्रभार और २२ राज्यमंत्री थे। यूपी में मंत्रिमंडल में अधिकतम ६० सदस्य शामिल किये जा सकते है, इस लिहाज से सात नये मंत्रियों को मंत्रिमंडल में जगह दी गयी।

कॉलोनी में अवैध डेयरी से फैलती है गंदगी, नगरवासियों ने की शिकायत

लखनऊ। मोहल्ले में संचालित अवैध डेयरी के गोबर नालियों में बहाया जाता है जिससे गंदगी फैलती है जिसकी वजह से बीमार

फैलने का खतरा है। यह शिकायत सोमवार को लोकमंगल दिवस में तिवारीगंज अतीक बिहार कलोनी के निवासियों ने महापौर संयुक्ता भाटिया से की। महापौर ने पशुचिकित्सा अधिकारी को डेयरी हटाने के निर्देश दिए। कमता के फेयर डील कॉलोनी निवासी सबीना बेगम ने महापौर को बताया कि उनके घर के सामने सड़क बहुत खराब है जिससे आने जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इंदिरानगर के शिवाजीपुरम निवासी देवीशरण त्रिपाठी ने कहा कि मानस विहार में सड़क पर अतिक्रमण फैला है, जिससे राहगीरों को निकलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर महापौर ने जोनल अधिकारी को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। जोन सात और आठ में मंगलवार को आयोजित लोकमंगल दिवस में कुल ८७ शिकायतें आयीं। महापौर एवं नगर आयुक्त अजय द्विवेदी ने अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

टॉम क्रूज ने मिशन इम्पॉसिबल ७ के सेट पर दिखाया डेयरडेविल स्टंट, अबतक का सबसे खतरनाक स्टंट

मुंबई। टॉम क्रूज ने गुरुवार को अपनी आने वाली फिल्म मिशन इम्पसिबल ७ की एक क्लिप में अपने अब तक के सबसे खतरनाक स्टंट को पेश किया। क्रूज अपने स्टंट खुद करने के लिए जाने जाते हैं। नर्वे में एक रैंप से नीचे और एक विशाल चट्टान से मोटरसाइकिल की सवारी करते हैं और अपने पैराशूट को छोड़ने से पहले मध्य हवा में जाने देते हैं। मनोरंजन मीडिया ने बताया कि क्लिप और क्रूज और निर्देशक क्रिस्टोफर मैकक्वेरी के करतब के बारे में बात करते हुए लास वेगास में मूवी थिएटर अपरेटरों और हलीवुड स्टूडियो के अधिकारियों के सिनेमाकन सभा में दिखाया गया था। क्रूज ने वीडियो में डेडलाइन हॉलीवुड के अनुसार कहा कि यह मेरे द्वारा की गई सबसे खतरनाक चीज से बहुत दूर और दूर हैय हम इस पर वर्षों से काम कर रहे हैं। मैं इसे जब से करना चाहता था जब मैं एक छोटा बच्चा था। मिशन इम्पसिबल ७ जिसमें क्रूज एक जासूस एथन हंट के रूप में लौटता है। मई २०२२ में इटली, नॉर्वे और यूके में एक साल से अधिक समय तक कोरोना वायरस– बाधित शूट के बाद रिलीज होने वाला है। हॉलीवुड रिपोर्टर ने कहा कि ५६ वर्षीय क्रूज ने कहा कि उन्होंने स्टंट

को पूरा करने के लिए एक साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया। जिसमें ५०० स्काई–डाइविंग सत्र और १३,००० मोटर–बाइक जंप शामिल हैं। स्टंट को छह बार फिल्माया गया था।पिछली फिल्मों में, क्रूज ने उड़ान भरते समय एक विमान के किनारे को लटका दिया था, संकरे पहाड़ी घाटियों के माध्यम से एक हेलीकॉप्टर का संचालन किया था, दुबई में २,७१७ फुट ऊंचे (८२८ मीटर) बुर्ज खलीफा गगनचुंबी इमारत पर चढ़ाई की थी, और लगभग पांच मील से एक स्काईडाइव का प्रदर्शन किया था।

शर्लिन चोपड़ा ने शिल्पा शेट्टी को दी सलाह, कहा– सड़क पर मजबूरों की मदद करें

मुंबई। राज कुंद्रा को पोर्नोग्राफी केस में जमानत मिल गई है. लगभग २ महीने जेल में रहने के बाद राज कुंद्रा अंततः वापस लौट आएं हैं. हालांकि बाहर आने के बाद राज कुंद्रा ने अब तक मीडिया से कोई बात नहीं की है. राज कुंद्रा के बाहर आने के बाद भी शर्लिन चोपड़ा ने कुंद्रा परिवार

पर बयानबाजी करना बंद नहीं किया है. एक बार फिर से शर्लिन ने राज कुंद्रा की पत्नी और बलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी पर बयान दिया है. शर्लिन चोपड़ा ने सोशल मीडिया में शिल्पा शेट्टी पर रानी लक्ष्मी बाई के बारे में बात करने पर और उनके साष्टांग दंडवत करने पर तंज कसा है. आप टीवी पर साष्टांग दंडवत प्रणाम करतीं हैं उन कलाकारों को जिनकी कला से आप प्रभावित होती हैं कृपया,रील लाइफ से बाहर निकलकर,रियल दुनिया में जाकर,पीड़ित महिलाओं को थोड़ी बहुत सहानुभूति दिखाएं शर्लिन चोपड़ा ने ट्वीट करते हुए शिल्पा शेट्टी को कहा कि रियलिटी शो के मंच पर एक कुर्सी में बैठकर लोगों ओर बच्चों को जज करना काफी आसान होता है. उन्होंने कहा कि मंच पर बैठकर किसी को दंडवत सा स्थान करने से अच्छा है कि आप सड़क पर निकल कर पीड़ित और मजबूर महिलाओं की मदद के लिए कुछ करें. शर्लिन ने कहा कि सच में मदद करना बहुत बड़ी बात होती है रियलिटी शो में बैठकर झूठे ठीक–ठाक ना दूसरी बात. शर्लिन चोपड़ा पोर्नोग्राफी केस में शुरू से ही राज कुंद्रा के साथ ही शिल्पा शेट्टी को पर भी आरोप लगाती रही हैं. शुरू से ही शर्लिन ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि किसी पत्नी को यह पता नहीं हो सकता कि उनके पति पैसे कहां से लाते हैं. शर्लिन ने अपने पहले के एक इंटरव्यू में बताया भी था कि राज कुंद्रा ने उन्हें शिल्पा शेट्टी का नाम लेकर ही कन्वेंस किया था. शर्लिन ने इंटरव्यू में कहा कि मैं पढ़ी–लिखी मडल हूं और देश के लिए कुछ करना चाहती हूं. लेकिन राज कुंद्रा जैसे लोग महिलाओं को पांव की जूती बनाकर उसे गलत काम करवा खुद पैसे कमाना चाहते हैं. मैं यह नहीं होने दे सकती इसलिए मैंने आवाज उठाई.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक